02 अध्याय

संसाधन के रूप में लोग

अवलोकनः ''संसाधन के रूप में लोग'' अध्याय में जनसंख्या को, अर्थव्यवस्था पर दायित्व से अधिक परिसंपत्ति के रूप में बताया गया है।

चित्र संख्याः 1.1

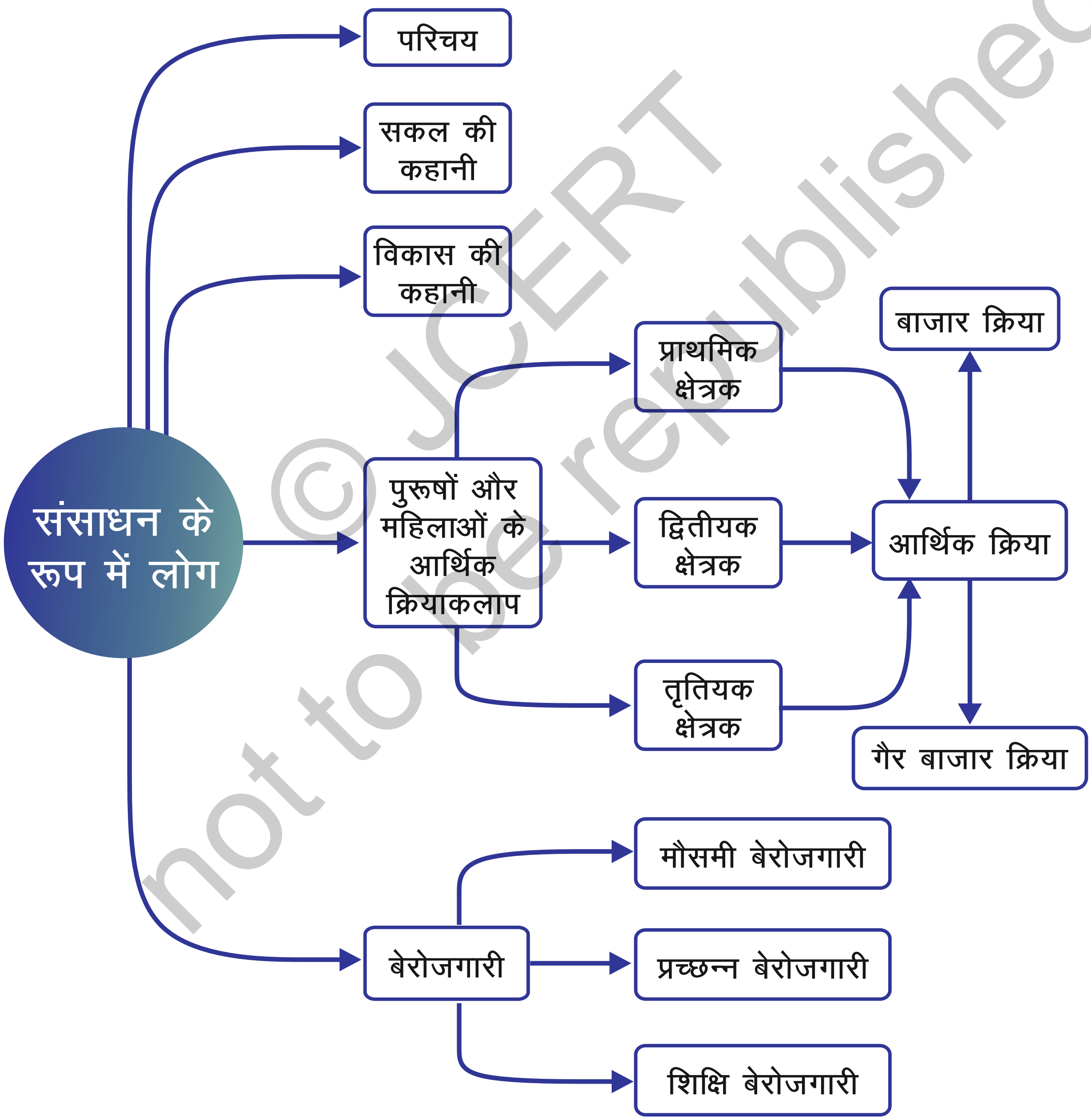

© JCERT not to be republished

1. परिचय

- संसाधन के रूप में लोग कौशल और योग्यताओं के संदर्भ में कार्यरत लोगों का वर्णन है।
- सकल राष्ट्रीय उत्पाद के सृजन में जनसंख्या के कुशलता का योगदान है।
- जब मानव संसाधन को अधिक शिक्षा स्वास्थ्य द्वारा विकसित किया जाता है तब इसे हम मानव पूंजी निर्माण कहते हैं।
- मानव पूंजी में निवेश (शिक्षा, प्रशिक्षण, और स्वास्थ्य सेवा द्वारा) भौतिक पूंजी की तरह ही प्रतिफल देते हैं।
- अधिक शिक्षित या प्रशिक्षित लोगों की उच्च उत्पादकता को हम उनके आय के रूप में देखते हैं जैसे भारत में हरित क्रांति में प्रौद्योगिकी के रूप में अधिक ज्ञान को हम देख पाते हैं जो दुर्लभ भूमि संसाधन की उत्पादकता में वृद्धि को दिखाता है।
- भौतिक पूंजी की अपेक्षा मानव पूंजी ने उच्च स्थान प्राप्त किया है।
- उच्च आय से सिर्फ शिक्षित और स्वस्थ लोगों को लाभ नहीं होता, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से समाज को भी लाभ होता है।
- मानव पूंजी, भूमि, पूंजी एवं श्रम से श्रेष्ठ है, क्योंकि मानव संसाधन भौतिक पूंजी का उपयोग कर सकता है। भौतिक पूंजी अपने आप उपयोगी नहीं हो सकता है।
- भारत की विशाल जनसंख्या देश के लिए सिर्फ दायित्व नहीं है, बल्कि मानव पूंजी में निवेश द्वारा उन्हें परिसंपत्ति में बदला जा सकता है।

© JCERT not to be republished

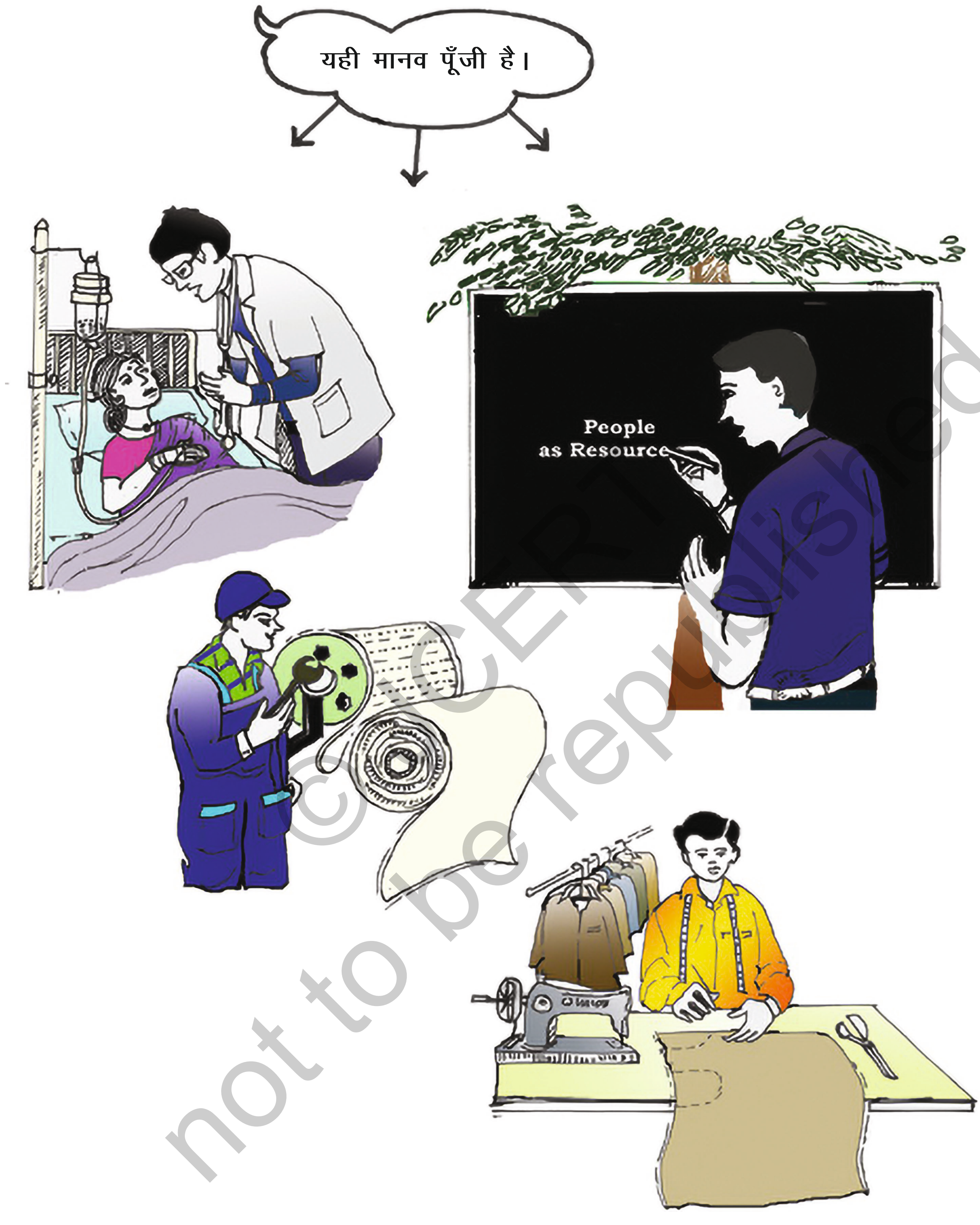

© JCERT not to be republished

चित्र 2.1 मानव पूँजी

दो उदाहरण से हम मानव के अधिक उत्पादक संसाधन बनने को समझ सकते हैं।

1.1 सकल की कहानी

दो मित्र विलास और सकल एक ही गांव सेमापुर में रहते थे।

सकल की आयु 12 वर्ष थी। उसकी मां शीला घर का काम करती थी। उसके पिता बूटा चौधरी खेत में काम करते थे।

बूटा और शीला चाहते थे कि उनका बेटा सकल पढ़े–लिखे वे उस पर गांव के स्कूल में नाम लिखाने के लिए जोर देते थे। जिसमें उसने शीघ्र प्रवेश पा लिया उसने पढ़ना शुरू किया और उच्चतर माध्यमिक की परीक्षा पास कर ली।

उसके पिता ने उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए राजी कर लिया उन्होंने सकल के लिए कंप्यूटर के व्यवसायिक कोर्स में अध्ययन के लिए कर्ज लिया ।

सकल प्रतिभाशाली था और आरंभ से ही पढ़ाई में उसकी रुचि थी उसने बड़े लगन और उत्साह से अपना कोर्स पूरा किया। कुछ समय के पश्चात उसे एक प्राइवेट फर्म में नौकरी मिल गई।

1.2 विलास की कहानी

विलास ग्यारह वर्ष का एक लड़का था और वह सकल के ही गाँव में रहता था।

विलास के पिता महेश एक मछुआरेथे। विलास जब केवल दो वर्ष का था, तो उसके पिता की मृत्यु हो गई थी।

उसकी माँ गीता ने मछलियाँ बेचकर अपने परिवार को पाला–पोसा ।

वह मछलियाँ बेचकर एक दिन में केवल 150 रुपये कमा पाती थी।

विलास गठिया का रोगी बन गया।

इन दोनों की कहानी से हमें पता चलता है कि सकल स्कूल जाता था साथ ही शारीरिक रूप से स्वस्थ था। विलास गठिया का रोगी था। सकल की शिक्षा ने उसके श्रम की गुणवत्ता बढ़ाई। इससे उसकी कुल उत्पादकता में वृद्धि हुई। कुल उत्पादकता देश की समृद्धि में योगदान देती है।

विलास ने कोई आरम्भिक शिक्षा प्राप्त नहीं की थी तथा उसे कोई स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल सकी थी, और वह अकुशल श्रमिक का वेतन पता था।

मानव संसाधन में शिक्षा और चिकित्सा सेवा में निवेश से भविष्य में उच्च प्रतिफल प्राप्त हो सकते हैं।

जापान जैसे देशों ने मानव संसाधन पर निवेश किया है उनके पास कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं था। यह विकसित धनी देश भी हैं।

जापान ने विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश किया और भूमि तथा पूंजी जैसे अन्य संसाधनों का कुशल उपयोग किया। कुशल प्रौद्योगिकी से यह विकसित देश बन सका।

2. पुरूषों और महिलाओं के आर्थिक क्रियाकलाप

विलास और सकल की तरह लोग विभिन्न प्रकार के कार्यों में संलग्न है। विलास मछलियां बेचता था और सकल को एक फर्म में नौकरी मिल गई थी।

© JCERT not to be republished

विभिन्न क्रियाकलापों को 3 वर्गों में बांट सकते हैं–

- प्राथमिक क्षेत्रक – इसके अंतर्गत कृषि वानिकी पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, खनन और उत्खनन शामिल है।
- द्वितीयक क्षेत्रक – इसमें विनिर्माण शामिल है
- तृतीयक क्षेत्रक इसमें व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिंग, बीमा ,शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि शामिल हैं।

आर्थिक क्रिया – तीनों क्षेत्रकों में क्रियाकलाप के फलस्वरुप वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन होता है, जिससे राष्ट्रीय आय के मूल्य में वृद्धि होती है ये क्रियाएं आर्थिक क्रियाएं कहलाते हैं।

आर्थिक क्रिया के प्रकार

- बाजार क्रियाएं
- गैर बाजार क्रियाएं

- **बाजार क्रियाएं** – बाजार क्रियाओं में वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाओं के लिए पारिश्रमिक दी जाती है। जैसे– सरकारी सेवा, वस्तु या सेवा का उत्पादन।
- **गैर –बाजार क्रियाएँ** – इसमें स्वयं का उपभोग के लिए उत्पादन शामिल है।
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारणों से महिलाओं और पुरुषों में श्रम का विभाजन किया जाता है। महिलाएं घर का काम करती हैं तथा पुरुष बाहर का काम करते हैं।
- घरों में किए गए कार्य के बदले में कोई भुगतान नहीं किया जाता है अतः उनकी सेवाओं को राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता है।
- शिक्षा और कौशल, बाजार में किसी व्यक्ति की आय के प्रमुख निर्धारक हैं।
- पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को कम पारिश्रमिक दिया जाता है अधिकतर महिलाएं वहां काम करती हैं, जहां नौकरी की सुरक्षा नहीं होती तथा कानूनी सुरक्षा का अभाव है। अनियमित रोजगार और निम्न आय इस क्षेत्रक की विशेषताएं होती हैं ।
- उच्च शिक्षा और उच्च कौशल वाली नौकरियों में महिलाओं को पुरुषों के बराबर वेतन मिलता है।
- संगठित क्षेत्र में शिक्षा और चिकित्सा महिलाओं को अधिक आकर्षित करते हैं।

© JCERT not to be republished

जनसंख्या की गुणवत्ता—स्वास्थ्य और देश के लोगों द्वारा प्राप्त कौशल निर्माण पर निर्भर करती है।

3. शिक्षा – समाज के विकास में शिक्षा का योगदान है ।

- शिक्षा राष्ट्रीय आय और सांस्कृतिक समृद्धि में वृद्धि करते हैं और प्रशासन की कार्य क्षमता बढ़ाती है।
- प्राथमिक शिक्षा में सार्वजनिक पहुंच और गुणवत्ता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है ।लड़कियों पर विशेष बल दिया गया है। प्रत्येक जिले में नवोदय विद्यालय जैसे प्रगति निर्धारक विद्यालयों की स्थापना की गई है।
- हाई स्कूल में विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल से संबंधित व्यवसाय उपलब्ध कराने के लिए व्यवसायिक शाखाएं विकसित की गई हैं ।
- शिक्षा पर पहली पंचवर्षीय योजना में 151 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे जो 11वीं पंचवर्षीय योजना में 3766.90 करोड़ रुपया हो गया है।
- साक्षरता दर 1951 के 18% से बढ़कर 2011 में 74% हो गया है ।
- महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में साक्षरता दर 16% अधिक है ।
- वर्ष 2011 केरल के कुछ जिलों में साक्षरता दर 94% है जबकि बिहार में 62% ही है।
- 6—14 वर्ष आयु वर्ग के सभी स्कूली बच्चों को वर्ष 2010 तक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सर्व शिक्षा अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।
- प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए सेतु —पाठ्यक्रम और श स्कूल लौटो शिविर प्रारंभ किए गए हैं ।
- कक्षा में बच्चों की उपस्थिति को बढ़ावा देने, बच्चों के धारण और उनकी पोषण स्थिति में सुधार के लिए दोपहर के भोजन की योजना कार्यान्वित की जा रही है ।
- 12वीं योजना में उच्च शिक्षा में 18— 23 वर्ष आयु वर्ग के नामांकन में 27: तक की वृद्धि 2018 में रही है।

4. स्वास्थ्य

- किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य उसे अपनी क्षमता को प्राप्त करने और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है।
- स्वास्थ्य अपना कल्याण करने का एक अनिवार्य आधार है इसलिए जनसंख्या की स्वास्थ्य स्थिति को सुधारना किसी भी देश की प्राथमिकता होती है।
- हमारी राष्ट्रीय नीति का लक्ष्य भी जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं परिवार कल्याण और पौष्टिक सेवा तक इनकी पहुंच को बेहतर बनाना है।
- जीवन प्रत्याशा बढ़ कर वर्ष 2016 में 69.4वर्ष अधिक हो गयी है।
- शिशु मृत्यु—दर 1951के 147 से घटकर 2020 में 36 पर आ गयी है।
- जन्म दर गिर कर 20.0 (2018) हो गयी।
- मृत्यु दर 6.2 (2018) पर आ गयी ।

© JCERT not to be republished

NOTE — जीवन प्रत्याशा — एक व्यक्ति के जीवनकाल का अनुमान है।

शिशु मृत्यु—दर — एक वर्ष से कम आयु के शिशु के मृत्यु से है।

जन्म — दर — एक वर्ष की अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों में जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या।

मृत्यु—दर — प्रति एक हजार व्यक्तियों में मरने वाले लोगों की संख्या।

	2014	2015	2016	2017	2018	2019
उपकेंद्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	1,82,709	1,84,359	1,85,933	1,87,505	1,89,784	1,78,548
औषधालय तथा अस्पताल	29,715	29,957	30,044	31,641	31,733	31,986 आयुष प्रबंधन के अंर्तगत
बिस्तर (सरकारी)	6,75,779	7,54,724	6,34,879	7,10,761	7,13,986	8,18,396
भारतीय चिकित्सा परिषद् में पंजीकृत डॉक्टर	36,355	41,711	44,934	43,581	22,567 पंजीकृत एलौपैथिक डॉक्टर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में	29,799 पंजीकृत एलौपैथिक डॉक्टर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में
नर्सिंगकर्मी (ए.एन.एम, आर एन एवं आर एम, एल.एच.वी.)	26,21,981	26,39,229	27,78,248	28,78,182	29,66,375	12,01,393

एस.सी.— उपकेंद्र, पी.एच.सी.— प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सी.एच.सी.— सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ए.एन.एम.— नर्स, दाई, आर.एन. और आर.एम.— पंजीकृत नर्स और पंजीकृत दाई, एल.एच.वी.— महिला स्वास्थ्य आगंतुक।

स्रोत — राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल 2016, 2017, 2018, 2020 केन्द्रीय स्वास्थ्य गुप्तचर ब्यूरो, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।

- भारत में कुल 542 मेडिकल कॉलेज और 313 डेंटल कॉलेज है।
- केवल चार राज्य जैसे आंध्र—प्रदेश ,कर्नाटक महाराष्ट्र,एवं तमिलनाडु में कुल राज्यों से अधिक मेडिकल कॉलेज है।

5. बेरोजगारी

- काम करने के योग्य एवं काम करने के इच्छुक व्यक्ति को प्रचलित मजदूरी दर पर काम नही मिलने पर उसे बेरोजगार कहते हैं।
- **श्रम बल जनसंख्या** (कार्यशील जनसंख्या) में वे लोग शामिल होते है जिनकी उम्र 15 से 59 के बीच है।
- भारत के संदर्भ में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में बेरोजगारी है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी और प्रछन्न बेरोजगारी है।
- नगरीय क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगारी है।
- **मौसमी बेरोजगारी** — जब लोग वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार प्राप्त नही कर पाते हैं। उसे मौसमी बेरोजगार कहते हैं।
- **प्रच्छन्न बेरोजगारी** — प्रच्छन्न बेरोजगारी में लोगों को रोजगार मिला हुआ है ऐसा प्रतीत होता है। वास्तव में वे उत्पादकता में कोई वृद्धि नहीं कर पाते हैं। कृषि से जुड़े लोगों के साथ ऐसा होता है 5 लोगों की आवश्यकता होती है और वहां, 8 लोग काम में लगे हुए होते हैं, 3 लोग अतिरिक्त होते हैं जो प्रच्छन्न रूप से बेरोजगार होते हैं। इसे अदृश्य बेरोजगारी भी कहा जाता है।

© JCERT not to be republished

- **शिक्षित बेरोजगारी** – शहरी क्षेत्रों में मैट्रिक, स्नातक, और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी युवकों को जब रोजगार नहीं मिलता है उसे शिक्षित बेरोजगारी कहते हैं ।
- बेरोजगारी से जनशक्ति संसाधन की बर्बादी होती है । युवकों में निराशा और हताशा की भावना होती है । यह एक बड़ा सामाजिक अपव्यय है ।
- बेरोजगारी से आर्थिक बोझ में वृद्धि होती है । कार्यरत जनसंख्या पर बेरोजगारों की निर्भरता बढ़ती है ।जब किसी परिवार को मात्र जीवन–निर्वाह स्तर पर रहना पड़ता है, तो उसके स्वास्थ्य स्तर में एक आम गिरावट आती है और स्कूल प्रणाली से अलगाव में वृद्धि होती है ।
- इसलिए किसी अर्थव्यवस्था के समग्र विकास पर बेरोजगारी का अहितकर प्रभाव पड़ता है बेरोजगारी में वृद्धि मंदी ग्रस्त अर्थव्यवस्था का सूचक है ।
- **सांख्यकीय रूप** से भारत में बेरोजगारी की दर निम्न है । बड़ी संख्या में निम्न आय और निम्न उत्पादकता वाले लोगों की गिनती नियोजित लोगों में की जाती है ।
- गरीब लोग बेकार नहीं बैठ सकते ।वह किसी भी काम से जुड़ जाना चाहते हैं ।चाहे उससे कितनी भी कमाई हो और इसी कमाई से वे किसी तरह जीवन निर्वाह कर पाते हैं ।
- कृषि का सबसे अधिक अवशोषण करने वाला अर्थव्यवस्था का क्षेत्र कृषि है ।
- द्वितीय क्षेत्र में छोटे पैमाने पर होने वाले विनिर्माण में श्रम का सबसे अधिक अधिशोषण है।
- **तृतीयक क्षेत्र में जैव**– प्रौद्योगिकी सूचना– प्रौद्योगिकी आदि सरीखी विभिन्न नई सेवाएं सामने आ रही है ।

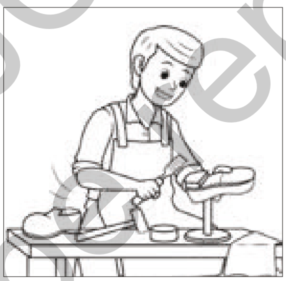

चित्र 2.6 : क्या आपको स्मरण है कि आपने अपने जूते या चप्पल ठीक कराये थे, तो कितना भुगतान किया था?

सारांश

- इस अध्याय में अर्थव्यवस्था की तीनों क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक क्रियाओं के विषय में चर्चा की गई है ।
- शिक्षा और स्वास्थ्य के समान आगतें किस प्रकार लोगों को अर्थव्यवस्था के लिए परिसंपत्ति बनाने में सहायता करती है यह हमने देखा ।
- बेरोजगारी से जुड़ी समस्याओं के बारे में भी पढ़ा ।

© JCERT not to be republished

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. जब शिक्षा का तकनीकी विकास किया जाता है तो ____________ संसाधन पैदा होता है?

   a. श्रम

   b. मानव

   c. पूंजी

   d. इनमें से कोई नहीं

2. कौशल और योग्यता का विकास कहलाता है?

   a. श्रम विकास

   b. मानव ससांधन

   c. तकनीकी विकास

   d. इनमें से कोई नहीं

3. ज्ञान का स्टॉक कि सेमाना जाता है?

   a) मानव संसाधन को

   b) श्रम संसाधन को

   c) पूंजी संसाधन को

   d) इनमें से कोई नहीं

4. देश के कार्यरत लोगों को क्या कहा जाता है?

   a) जनसंख्या

   b) कार्यशील जनसंख्या

   c) नकारा जनसंख्या

   d) इनमें से कोई नहीं

5. उत्पादक के पहलू को किससे मापा जाता है?

   a) उत्पादन

   b) उत्पाद

   c) सकल घरेलू उत्पाद

   d) इनमें से कोई नहीं

6. जनसंख्या भी एक प्रकार का३.

   a) श्रम

   b) विज्ञान

© JCERT not to be republished

c) संसाधन

d) इनमें से कोई नहीं

7. विशाल जनसंख्या का सकारात्मक पहलू क्या है?

a) मानव संसाधन

b) कामहीन क्षमता

c) संसाधन

d) इनमें से कोई नहीं

8. जनसंख्या के किस पहलू को प्रायः अनदेखा किया जाता है?

a) नकारात्मक

b) सकारात्मक

c) a और b दोनों

d) इनमें से कोई नहीं

9. मानव की योग्यता और कौशल को लगातार बढ़ाना क्या कहलाता है?

a) शिक्षा

b) मानव पूंजी निर्माण

c) तकनीक

d) इनमें से कोई नहीं

10. देश की भौतिक पूंजी में उत्पादन को कौन बढ़ाता है?

a) रेडियो

b) सचूना

c) मानव पूंजी

d) इनमें से कोई नहीं

11. देश की उत्पादक पूंजी में वृद्धि कौन करता है?

a) सचूना

b) व्यापार

c) मानव पूंजी

d) इनमें से कोई नहीं

© JCERT not to be republished

12. शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं का किसमें निवेश होता है?

a) मानव पूंजी में

b) व्यापारिक क्षेत्र में

c) सूचना क्षेत्र में

d) इनमें से कोई नहीं

13. मानव पूंजी का प्रत्यक्ष सकारात्मक रूप देखा जा सकता है?

a) पहनावे में

b) आय में

c) विचारों में

d) सभी में

14. अधिक स्वस्थ लोगों के द्वारा किया गया उत्पादन होता है?

a) अधिक

b) कम

c) सामान्य

9) इनमें से कोई नहीं

15. हरित क्रांति किससे संबंधित है?

a) व्यापार

b) सूचना

c) कृषि

d) उद्योग

16. भारत के आर्थिक विकास को जाँचने के लिए नियुक्ति की गई –

a) योजना कमीशन

b) योजना सरकार

c) योजना आयोग

d) योजना पैकेज

17. सभी संसाधनों में सभी में श्रेष्ठ कौन–सा है?

a) भूमि संसाधन

b) मानव संसाधन

c) पूंजी संसाधन

d) श्रम संसाधन

© JCERT not to be republished

18. मानव संसाधन से किसको लाभ होता है?

a) उच्च वर्ग को

b) समाज को

c) निम्न वर्ग को

d) मध्यम वर्ग को

19. समाज को मानव संसाधन का लाभ किस रूप में होता है?

a) प्रत्यक्ष

b) अप्रत्यक्ष

c) साक्षात

d) इनमें से कोई नहीं

20. भूमि और पूंजी का प्रयोग कौन–सा संसाधन करता है?

a) मानव संसाधन

b) कार्यशील मशीनें

ब) और इ दोनों

d) इनमें से कोई नहीं

21. कौन से संसाधन अपने आप उपयोगी नहीं हो सकतेहैं?

a) मानव

b) श्रम

c) भूमि, पूंजी

d) इनमें से कोई नहीं

22. किसमें निवेश द्वारा जनसंख्या को उत्पादक परिसपंत्ति में बदला जा सकता है?

a) पूंजी में

b) श्रम में

c) मानव पूंजी में

d) इनमें से कोई नहीं

23. मानव के कौशल को बढ़ाने की प्रथम सीढ़ी क्या है ?

a) परिवार

b) विद्यालय

c) मदिंर

d) इनमें से कोई नहीं

© JCERT not to be republished

24. परिवार के बाद मानव कौशल को बढ़ानेवाला कारक कौन–सा है?

a) मदिंर

b) मस्जिद

c) विद्यालय

d) इनमें से कोई नहीं

25. व्यक्ति किसकी कमी के कारण योग्य नहीं बन पाता?

a) पूँजी

b) शिक्षा, स्वास्थ्य

c) माता–पिता

d) इनमें से कोई नहीं

26. मनुष्य भविष्य में किसके द्वारा उच्च प्रति– फल प्राप्त कर सकता है ?

a) पूँजी

b) शिक्षा, स्वास्थ्य

c) व्यापार

d) वशं

27. शिक्षित माता–पिता अपनी संतान पर किस क्षेत्र में अधि क निवेश करते हैं?

a) मनोरंजन पर

b) भोजन पर

c) शिक्षा पर

d) वस्त्रों पर

28. बालक के अकुशल होने का एक कारण माना जाता है?

a) शिक्षक

b) वंश

c) अशिक्षित माता–पिता

d) इनमें से कोई नहीं

29. मानव संसाधन पर निवेश करनेवालों में कौन सा देश है?

a) भारत

b) पाकिस्तान

c) जापान

d) नेपाल

© JCERT not to be republished

30. किस देश के पास प्राकृतिक संसाधन नहीं थे?

a) भारत

b) रूस

c) जापान

d) अमेरिका

31. बिना प्राकृतिक संसाधनों के विकसित देश का दर्जा किसने प्राप्त किया?

a) जापान

b) रूस

c) अमेरिका

d) भारत

32. जापान के विकसित बनने के पीछे कौन–सा संसाधन था?

a) मानव संसाधन

b) भूमि संसाधन

c) श्रम संसाधन

d) इनमें से कोई नहीं

33. जापान जैसे देशों ने किस क्षेत्र में अत्याधिक निवेश किया ?

a) भूमि

b) शिक्षा, स्वास्थ्य

c) व्यापार

d) उद्योगों

34. किन देशों ने भूमि और पूंजी संसाधनों का उचित उपयोग किया?

a) विकासशील देशों ने

b) विकसित देशों ने

c) पिछड़े देशों ने

d) सभी

35. कुशलता और प्रौद्योगिकी किन देशों के विकास का कारण बना?

a) विकसित देशों के

b) पिछड़ेदेशों के

c) विकासशील देशों के

d) सभी के

© JCERT not to be republished

36. विभिन्न क्रियाकलापों को कितने क्षेत्रों में बांटा जाता था?

a) 1

b) 4

c) 3

d) 5

37. विभिन्न क्रियाकलापों को कौन–से क्षेत्रों में बांटा जाता है?

a) प्राथमिक

b) तृतीयक

c) द्वितीयक

d) उपरोक्त सभी

38. श्रम बल जनसख्या में किस आयुवर्ग को शामिल किया जाता है?

a) 1 से 6 वर्ष

b) 6 से14 वर्ष

c) 15 से 59 वर्ष

d) इनमें से कोई नहीं

39. ग्रामीण और नगरीय बेरोजगारी में काफी ....है?

a) समानता

b) अतंर

c) समान

d) इनमें से कोई नहीं

40. ग्रामीण क्षेत्र कौन–सी बेरोजगारी से ग्रस्त होते हैं?

a) प्रत्यक्ष

b) मौसमी

c) अप्रत्यक्ष

d) इनमें से कोई नहीं

41. नगरों में बेरोजगारी का स्वरूप कैसा होता है?

a) इच्छा रहित बेरोजगारी

b) योग्यता रहित बेरोजगारी

c) शिक्षित बेरोजगारी

d) इनमें से कोई नहीं

© JCERT not to be republished

42. वर्ष के कुछ महीने ही काम मिलना कैसी बेरोजगारी कहलाती है ?

a) प्रत्यक्ष

b) अप्रत्यक्ष

c) मौसमी

d) सभी

43. मौसमी बेरोजगारी से ग्रस्त क्षेत्र कौन–सा है?

a) उद्योग

b) व्यापार

c) कृषि

d) सभी

44. कम काम में अधिक लोगों का काम करना किस प्रकार की बेरोजगारी है ?

a) प्रत्यक्ष

b) अप्रत्यक्ष

c) प्रच्छन्न

d) मौसमी

45. किस स्तर के साक्षर व्यक्तियों की संख्या अधिक है ?

a) मैट्रिक

b) स्नातक

c) इंटर

d) सभी

46. बेरोजगारी से .... संसाधन की बर्बादी होती है ?

a) अर्थशर्थक्ति

b) वनशक्ति

c) जनशक्ति

d) इनमें से कोई नहीं

47. बेरोजगारी के कारण युवकों पर क्या हावी हो जाता है?

a) निराशा

b) हताशा

c) और इ दोनों

d) इनमें से कोई नहीं

© JCERT not to be republished

48. बेरोजगारी एक बड़ा अपव्यय है?

a) आर्थिक

b) धार्मिक

c) सामाजिक

d) सभी

49. बेरोजगारी का .... के समग्र विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है?

a) राजनीति

b) व्यापार

c) अर्थव्यवस्था

d) उद्योग

50. बेरोजगारी में वृद्धि अर्थव्यवस्था की सचूना मानी जाती है?

a) मदीग्रस्त

b) बद्धि

c) विकास

d) सभी

उत्तर

1.b 2.b 3.a. 4.b 5.c. 6.c. 7.a. 8.b. 9.b. 10.c 11.c 12.a. 13.b. 14. a. 15. c. 16. c. 17.b. 18.b. 19.b. 20.a

21. c. 22. c. 23. a 24.c. 25.b. 26.b. 27. c. 28.c. 29.c. 30. c 31.a. 32.a. 33.b. 34.b. 35.a. 36.c. 37.d.

38. c. 39.b. 40. b 41.c. 42.c. 43.c. 44.c. 45. b 46.c 47. c 48.c. 49.c. 50.

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. 'संसाधन के रूप में लोग' से आप क्या समझते हैं ?

उत्तरः 'संसाधन के रूप में लोग किसी देश के कार्यरत लोगों को उनके वर्तमान उत्पादन कौशल एवं योग्यताओं का वर्णन करने का एक तरीका है। यह लोगों की सकल घरेलू उत्पाद के सृजन में योगदान करने की योग्यता पर बल देता है। अन्य संसाधनों की भांति जनसंख्या भी एक संसाधन है जिसे 'मानवसंसाधन' कहा जाता है।

प्रश्न 2. मानव संसाधन भूमि एवं भौतिक पूँजी जैसे अन्य संसाधनों से भिन्न कैसे हैं ?

उत्तरः मानव को एक परिसंपत्ति बनाया जा सकता है यदि हम उनमें शिक्षा, प्रशिक्षण एवं चिकित्सा सुविधाओं के द्वारा निवेश करें। जिस प्रकार भूमि, जल, वन, खनिज आदि हमारे बहुमूल्य प्राकृतिक

© JCERT not to be republished

संसाधन हैं उसी प्रकार मनुष्य भी एक बहुमूल्य संसाधन हैं। लोग राष्ट्रीय परिसंपत्तियों के उपभोक्ता मात्र नहीं हैं। अपितु वे राष्ट्रीय संपत्तियों के उत्पादक भी हैं। वास्तव में मानव संसाधन अन्य संसाधनों जैसे कि भूमि तथा पूँजी की अपेक्षाकृत श्रेष्ठ हैं क्योंकि वे भूमि एवं पूँजी का प्रयोग करते हैं। भूमि एवं पूँजी स्वयं उपयोगी नहीं हो सकते।

प्रश्न 3. मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा की क्या भूमिका है?

उत्तर: मानव पूँजी निर्माण अथवा मानव संसाधन विकास में शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा एवं कौशल किसी व्यक्ति की आय को निर्धारित करने वाले मुख्य कारक हैं। किसी बच्चे की शिक्षा और प्रशिक्षण पर किए गए निवेश के बदले में वह भविष्य में अपेक्षाकृत अधिक आय एवं समाज में बेहतर योगदान के रूप में उच्च प्रतिफल दे सकता है। शिक्षित लोग अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक निवेश करते पाए जाते हैं। इसका कारण यह है कि उन्होंने स्वयं के लिए शिक्षा का महत्त्व जान लिया है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि यह शिक्षा ही है जो एक व्यक्ति को उसके सामने उपलब्ध आर्थिक अवसरों का बेहतर उपयोग करने में सहायता करती है। शिक्षा श्रम की गुणवत्ता में वृद्धि करती है और कुल उत्पादकता में वृद्धि करने में सहायता करती है। कुल उत्पादकता देश के विकास में योगदान देती है।

प्रश्न 4. मानव पूँजी निर्माण में स्वास्थ्य की क्या भूमिका है?

उत्तर: मानव पूँजी निर्माण अथवा मानव संसाधन विकास में स्वास्थ्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

(क) केवल एक पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही अपने काम के साथ न्याय कर सकता है। इस प्रकार यह किसी व्यक्ति के कामकाजी जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

(ख) एक अस्वस्थ व्यक्ति अपने परिवार, संगठन एवं देश के लिए दायित्व है। कोई भी संगठन ऐसे व्यक्ति को काम पर नहीं रखेगा जो खराब स्वास्थ्य के कारण पूरी दक्षता से काम न कर सके।

(ग) स्वास्थ्य न केवल किसी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है अपितु मानव संसाधन विकास में वर्धन करता है जिस पर देश के कई क्षेत्रक निर्भर करते हैं।

(घ) किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य अपनी क्षमता एवं बीमारी से लड़ने की योग्यता को पहचानने में सहायता करता है।

प्रश्न 5. किसी व्यक्ति के कामयाब जीवन में स्वास्थ्य की क्या भूमिका है?

उत्तर: हम सभी जानते हैं कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ दिमाग निवास करता है। स्वास्थ्य जीवन का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है। स्वास्थ्य का अर्थ जीवित रहना मात्र ही नहीं है। स्वास्थ्य में शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक सुदृढता शामिल हैं। स्वास्थ्य में परिवार कल्याण, जनसंख्या नियंत्रण, दवा नियंत्रण, प्रतिरक्षण एवं खाद्य मिलावट निवारण आदि बहुत से क्रियाकलाप शामिल हैं। यदि कोई व्यक्ति अस्वस्थ है तो वह ठीक से काम नहीं कर सकता। चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में एक अस्वस्थ मजदूर अपनी उत्पादकता और अपने देश की उत्पादकता को कम करता है। इसलिए किसी व्यक्ति के कामयाब जीवन में स्वास्थ्य महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 6. प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों में किस तरह की विभिन्न आर्थिक क्रियाएँ संचालित की जाती हैं ?

उत्तरः प्राथमिक क्षेत्रक में कृषि, वन, पशुपालन, मुर्गी पालन, मछली पालन एवं खनन आदि आते हैं।

द्वितीयक क्षेत्रक में विनिर्माण शामिल है।

तृतीयक क्षेत्रक में बैंकिंग, परिवहन, व्यापार, शिक्षा, बीमा, पर्यटन एवं स्वास्थ्य आदि आते हैं।

प्रश्न 7. आर्थिक और गैर आर्थिक क्रियाओं में क्या अंतर है?

उत्तरः वे क्रियाएं जो देश की आय में वृद्धि करती हैं उन्हें आर्थिक क्रियाएं कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, जो क्रियाएं आय के लिए की जाती हैं उन्हें आवश्यक क्रियाएं कहा जाता है और वे क्रियाएं जो आय के लिए नहीं की जाती उन्हें गैर– आर्थिक क्रियाएं कहा जाता है। यदि कोई माँ किसी होटल में खाना बनाती है और उसे उसके लिए पैसे मिलते हैं तो यह एक आर्थिक क्रिया है। जब वह अपने परिवार के लिए खाना बनाती है तो वह एक गैर आर्थिक क्रिया कर रही है।

प्रश्न 8. महिलाएँ क्यों निम्न वेतन वाले कार्यों में नियोजित होती हैं?

उत्तरः महिलाएँ निम्नलिखित कारणों से निम्न वेतन वाले कार्यों में नियोजित होती है रू

(क) बाजार में किसी व्यक्ति की आय निर्धारण में शिक्षा महत्त्वपूर्ण कारकों में से एक है। भारत में महिलाएँ पुरुषों की अपेक्षा कम शिक्षित होती हैं। उनके पास बहुत कम शिक्षा एवं निम्न कौशलस्तर है। इसलिए उन्हें पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है।

(ख) ज्ञान व जानकारी के अभाव में महिलाएँ असंगठित क्षेत्रों में कार्य करती हैं जो उन्हें कम मजदूरी देते हैं। उन्हीं अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी भी नहीं है।

(ग) महिलाओं को शारीरिक रूप से कमजोर माना जाता है। इसलिए उन्हें प्रायः कम वेतन दिया जाता। है।

प्रश्न 9. 'बेरोजगारी' शब्द की आप कैसे व्याख्या करेंगे?

उत्तरः बेरोजगारी का अर्थ है जब लोग काम करने के इच्छुक एवं योग्य हो तथा वर्तमान मजदूरी दर पर कार्य करने का तैयार हों किन्तु उन्हें रोजगार न मिले। यह स्थिति विकसित देशों की अपेक्षा विकासशील देशों में अधिक देखने में आती है। कामगार जनसंख्या में 15 से 59 वर्ष के आयु वर्ग के लोग आते हैं।

प्रश्न 10. प्रच्छन्न और मौसमी बेराजगारी में क्या अंतर है?

उत्तरः **प्रच्छन्न बेरोजगारी** – प्रच्छन्न बेरोजगारी में लोग नियोजित प्रतीत होते हैं जबकि वास्तव में वे उत्पादकता में कोई योगदान नहीं कर रहे होते हैं। ऐसा प्रायः कृषि क्रिया से जुड़े परिवारों के सदस्यों के साथ होता है। काम में पाँच लोगों की आवश्यकता है किन्तु उसमें आठ लोग लगे हुए हैं, जहाँ 3 लोग अतिरिक्त हैं। यदि इन 3 लोगों को हटा लिया जाए तो भी उत्पादकता कम नहीं होगी। ये 3 लोग प्रच्छन्न बेरोजगारी में शामिल हैं।

मौसमी बेरोजगारी – मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब वर्ष के कुछ महीनों के दौरान लोग रोजगार नहीं खोज पाते। भारत में कृषि पूर्णकालिक रोजगार नहीं है। यह मौसमी है। इस प्रकार

की बेरोजगारी कृषि में पाई जाती है। कुछ व्यस्त मौसम होते हैं जब 'बिजाई, कटाई, निराई और गहाई की जाती है। कुछ विशेष महीनों में कृषि पर आश्रित लोगों को अधिक काम नहीं मिल पाता।

प्रश्न 11. शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिए एक विशेष समस्या क्यों है?

उत्तर: शिक्षित बेरोजगारी शहरों में एक सामान्य परिघटना बन गई है। मैट्रिक, स्नातक, स्नातकोत्तर डिग्रीधारक अनेक युवा रोजगार पाने में असमर्थ हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि मैट्रिक की अपेक्षा स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्रीधारकों में बेरोजगारी अधिक तेजी से बढ़ी है। एक विरोधाभासी जनशक्ति–स्थिति सामने आती है क्योंकि कुछ वर्गों में अतिशेष जनशक्ति अन्य क्षेत्रों में जनशक्ति की कमी के साथ–साथ विद्यमान है। एक ओर तकनीकी अर्हता प्राप्त लोगों में बेरोजगारी व्याप्त है जबकि दूसरी ओर आर्थिक संवृद्धि के लिए जरूरी तकनीकी कौशल की कमी है। उपरोक्त के प्रकाश में हम कह सकते हैं कि शिक्षित बेराजगारी भारत के लिए एक विशेष समस्या है।

प्रश्न 12. आप के विचार से भारत किस क्षेत्रक में रोजगार के सर्वाधिक अवसर सृजित कर सकता है?

उत्तर: भारतीय अर्थव्यवस्था में श्रम का सबसे बड़ा अवशोषक कृषि क्षेत्र है। किन्तु हाल ही के वर्षों में प्रच्छन्न बेरोजगारी के कारण इस क्षेत्र में गिरावट आई है। कृषि क्षेत्र में अधिशेष श्रमिक द्वितीयक या तृतीयक क्षेत्रक में जाना चाहते हैं। द्वितीयक क्षेत्रक में श्रम का सबसे बड़ा अवशोषक लघु–स्तर विनिर्माण क्षेत्र है। तृतीयक क्षेत्रक में कई नई सेवाओं का आगमन हुआ है जैसे कि बायोटेक्नॉलोजी और सूचना प्रौद्योगिकी आदि। हाल ही के वर्षों में बी.पी.ओ. अथवा कॉल सेंटर उद्योग में सर्वाधिक नौकरी के अवसर पैदा हुए हैं। मध्यम रूप से शिक्षित युवा वर्ग के लिए ये वरदान साबित हुए हैं।

प्रश्न 13. क्या आप शिक्षा प्रणाली में शिक्षित बेरोजगारों की समस्या दूर करने के लिए कुछ उपाय सुझा सकते हैं?

उत्तर: शिक्षा प्रणाली में शिक्षित बेरोजगारों की समस्या दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय सहायक सिद्ध हो सकते हैं :

(क) केवल किताबी ज्ञान देने की अपेक्षा अधिक तकनीकी शिक्षा दी जाए।

(ख) शिक्षा को अधिक कार्योन्मुखी बनाया जाना चाहिए। एक किसान के बेटे को साधारण स्नातक की शिक्षा देने की अपेक्षा इस बात का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि खेत में उत्पादन कैसे बढाया जा सकता है।

(ग) शिक्षा को लोगों को स्वावलंबी एवं उद्यमी बनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

(घ) शिक्षा के लिए योजना बनाई जानी चाहिए एवं इसकी भावी संभावनाओं को ध्यान में रखकर इसे क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

(ड) रोजगार के अधिक अवसर पैदा किए जाने चाहिए।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 14. क्या आप कुछ ऐसे गाँवों की कल्पना कर सकते हैं जहाँ पहले रोजगार का कोई अवसर नहीं था, लेकिन बाद में बहुतायत में हो गया ?

उत्तर– हाँ, मुझे अपने माली द्वारा सुनाई गई कहानी याद आती है। उसने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उसके गाँव में सभी मूलभूत सुविधाओं जैसे कि स्कूल, अस्पताल, सड़कों, बाजार और यहाँ तक कि पानी व बिजली की उचित आपूर्ति का भी अभाव था। गाँव के लोगों ने पंचायत का ध्यान इन सभी समस्याओं की ओर आकृष्ट किया। पंचायत ने एक स्कूल खोला जिसमें कई लोगों को रोजगार मिला। जल्द ही गाँव के बच्चे वहाँ पढने लगे और वहाँ कई प्रकार की तकनीकों का विकास हुआ। अब गाँव वालों के पास बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं पानी एवं बिजली की भी उचित आपूर्ति उपलब्ध थी। सरकार ने भी जीवन स्तर को सुधारने के लिए विशेष प्रयास किए थे। कृषि एवं गैर कृषि क्रियाएँ भी अब आधुनिक तरीकों से की जाती हैं।

प्रश्न 15. किस पूँजी को आप सबसे अच्छा मानते हैं– भूमि, श्रम, भौतिक पूँजी और मानव पूँजी? क्यों?

उत्तरः जिस प्रकार भूमि, जल, वन, खनिज हमारे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन हैं उसी प्रकार लोग भी बहुमूल्य संसाधन हैं। लोग राष्ट्रीय परिसंपत्तियों के उपभोक्ता मात्र नहीं हैं अपितु वे राष्ट्रीय संपत्तियों के उत्पादक भी हैं। वास्तव में मानव संसाधन अन्य संसाधनों जैसे कि भूमि तथा पूँजी की अपेक्षाकृत श्रेष्ठ हैं क्योंकि वे भूमि एवं पूँजी का प्रयोग करते हैं। भूमि एवं पूँजी स्वयं उपयोगी नहीं हो सकते। यदि हम लोगों में शिक्षा, प्रशिक्षण एवं चिकित्सा सुविधाओं के द्वारा निवेश करें तो जनसंख्या के बड़े भाग को परिसंपत्ति में बदला जा सकता है। हम जापान का उदाहरण सामने रखते हैं। जापान के पास कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं थे। इस देश ने अपने लोगों पर निवेश किया विशेषकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में । अंततः इन लोगों ने अपने संसाधनों का दक्षतापूर्ण उपयोग करने के बाद नई तकनीक विकसित करते हुए अपने देश को समृद्ध एवं विकसित बना दिया है। इस प्रकार मानव–पूँजी अन्य सभी संसाधनों की अपेक्षा अधिक महत्त्वपूर्ण है।

© JCERT not to be republished